Carpenter's monthly newspaper

कारपेंटर्स न्यूज

R.N.I.No.MAHHIN/2005/16460 | Postel Regd. No. MCW/321/2022-24
Posted at Delisle Road, Mumbai-400013. On 20th of Every month | Published on Every 10 th day of the month

मासिक समाचार पत्र

मुंबई | मई 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 06 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

Since 1986
Suzu®
An ISO 9001:2015 Certified Company | CE Certified

36 Growing Years
INDIA'S 1ST STAINLESS STEEL SHACKLE Padlocks ...Series...
INDIA'S 1ST S.S HINGES MANUFACTURER Hinges ...Series...

HYDRAULIC BED LIFTER

CODE	PRODUCT DESCRIPTION	CAPACITY (Kg.)	SET PER BOX	CASE PKG. (Sets)
HW153	HBL MECHANISM 5mm (3')	N/A	1	4
HW154	HBL MECHANISM 5mm (4')	N/A	1	4
HW155	HBL MECHANISM 5mm (5')	N/A	1	4
HW156	HBL MECHANISM 5mm (5') WITH GAS PUMP COMBO	200	1	4
HW157	GAS PUMP (17")	200	1	25

Features
- Perfect Storage and Space saving
- Large opening for easy access under the bed
- Opening from the side or foot of the bed is workable
- Application Industries Beds in Home/ Hotel etc
- Black Finish

GLORIOUS PRODUCT RANGE

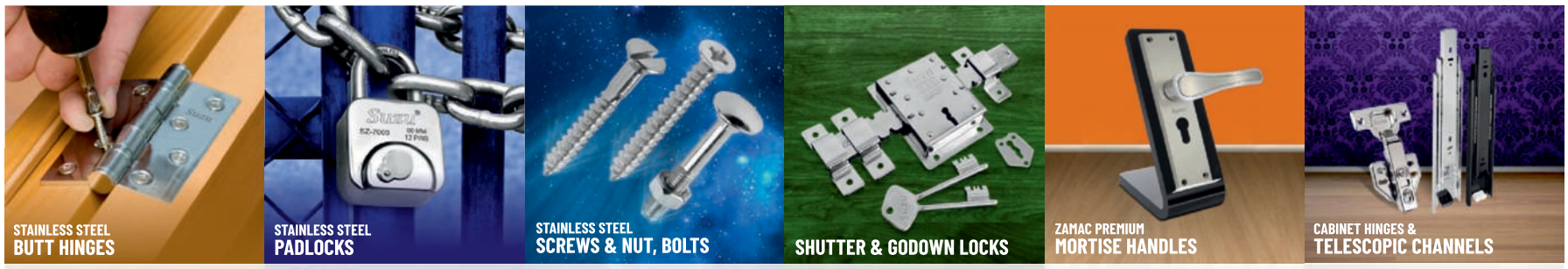

NEWLY LAUNCHED

GRAPHITE BUTT HINGES | ALUMINIUM TOWER BOLTS | PREMIUM MORTISE HANDLES | PREMIUM CABINET HANDLES | PULL HANDLES | DOOR CLOSERS

FOR CARPENTERS & CONTRACTORS
MISSED CALL ON THIS NUMBER
+91-93151 93969
FOR REGISTERED YOURSELF TO KNOW MORE ABOUT COMPANY'S SPECIAL SCHEMES & BENEFITS.

MANUFACTURER, PAN INDIA MARKETING NETWORK & EXPORTERS LOCKS | HINGES | SCREWS | DOOR HARDWARE

Work At : 110 I.D.C. Hissar Road, Rohtak - 124001, Haryana
Regd./Corporate Office : 209-B, 2nd Floor Crown Heights, Rohini Sec. 10, New Delhi

Cont: +91-9811242777 +91-9911118272

www.suzusteel.com | www.suzu.in
Find us on :

CUSTOMER HELPLINE TOLL FREE NUMBER 1800 12000 4005
Time : 10 AM To 7 PM (Monday - Saturday)

Scan QR Code Download Product Range Catalogue

DISTRIBUTORS & DEALERS ENQUIRY SOLICITED

VOCAL FOR LOCAL

PADLOCKS | BUTT HINGES | TOWER BOLTS | SCREWS | ALDROPS | DOOR AND WINDOW FITTINGS | CABINET HINGES | DOOR CLOSER | MORTISE HANDLES | MPL LOCKS | SHUTTER LOCKS | GODOWN LOCKS | MAIN DOOR LOCKS

Our Global Associates : DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

राष्ट्रीय सम्मेलन लैप आफ लग्जरी में जुटे इंटीरियर डिजाइनर

चंडीगढ़। होटल हयात रीजेंसी में जियोन एग्जीबिशंस की ओर से इंस्टीच्यूट ऑफ इंडियन इंटीरियर डिजाइनर्स के दिल्ली रीजनल चैप्टर, आईआईआईडी चंडीगढ़ चैप्टर और इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स चंडीगढ़ चैप्टर के सहयोग से लैप ऑफ लग्जरी नामक एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देश के शीर्ष वास्तुकारों और इंटीरियर डिजाइनरों ने भाग लिया। कई दिग्गजों ने निर्माण उद्योग के विभिन्न पहलुओं जैसे डिजाइन, वास्तुकला, भवन और निर्माण उत्पादों पर अपने विचार साझा किए।

जयोन एग्जीबिशंस के डायरेक्टर, आदर्श गिल ने लैप ऑफ लग्जरी के अवसर पर कहा कि निर्माण, बुनियादी ढांचे, वास्तुकला और डिजाइन के क्षेत्र में डिजाइन और टेक्नोलॉजी के नवीनतम ट्रेंड्स ने अवसरों और चुनौतियों का भंडार खोल दिया है। हमें इस सबके साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है। जियोन एग्जीबिशंस के एक अन्य डायरेक्टर, गुरतेज सिंह गिल ने कहा कि

आगामी कार्यक्रम डी.आर्क बिल्ड 2022 नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 22 से 25 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा, जो राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लिए एक आदर्श बिजनेस.टु.बिजनेस मंच होगा। साथ ही आगे की बातचीत और व्यापार सौदों को अंतिम रूप दिया जाएगा। आर्किटेक्ट चंडीगढ़ प्रशासन के शहरी नियोजन विभाग के चीफ आर्किटेक्ट, कपिल सेतिया ने भी सम्मेलन में अपने विचार साझा किए।

कारपेंटर को ठगने वाला आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। कारपेंटर व उसके 2 दोस्तों को जर्मनी में लाखों रुपये महीने कमाने का झांसा देकर 6.45 लाख की ठगी करने वाले आरोपित को पुलिस ने धरदबोचा। आरोपित लखबीर सिंह उर्फ लक्खी निवासी गांव करतारपुर थाना सन्नौर जिला पटियाला को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से 3 दिन का रिमांड मंजूर हुआ। शिकायतकर्ता को उस समय ठगी का अहसास हुआ था जब दिल्ली से कारपेंटर व उसके दोस्त खाली हाथ लौटे। क्योंकि जर्मनी का जो वीजा उन्हें दिया गया था वह फर्जी निकला। सिटी पुलिस थाना ने कुर्बानपुर के मोहन लाल की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। मोहन लाल ने अपनी शिकायत में कहा था कि वह कई साल से कारपेंटर का कार्य कर रहा है। राजपुरा के नन्हड़ी गांव का बबलू उसका दोस्त है। वह फरवरी 2019 में अपने दोस्त खुर्शीद व रवि कुमार के साथ बबलू को मिलने राजपुरा गया था। वहां पर उन्हें पटियाला का शिवा, लक्खी व जगदीप मिले। तीनों ने उससे कहा कि उसे विदेश भेज देंगे तो वह वहां पर लाखों रुपये महीना कमा लेगा। वह जर्मनी में कानूनी तौर पर भेज सकते हैं और काम दिला देंगे। मोहन लाल ने कहा कि आरोपितों ने हमें जर्मनी भेजने के लिए प्रति व्यक्ति 5.50 लाख रुपये की मांग की।

शिवा व लक्खी ने सिटी के मानव चौक के पास आकर उनके पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों की प्रतियां स्कैन कराई। दोनों ने उन्हें बताया कि परविदर व लवप्रीत उनकी सहयोगी हैं। दोनों लोगों को विदेश भेजने का कार्य करती हैं। उन्होंने आरोपितों को वीजा फीस के नाम पर 40 हजार रुपये उनके बैंक खाते में जमा करा दिए। इसके बाद आरोपितों ने उसे व उसके दोस्तों को दिल्ली बुलाया। दिल्ली में उनका मेडिकल व इंटरव्यू कराया गया। इसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया। मोहन लाल ने कहा कि इसके बाद शिवा व लक्खी को उसने तथा दोस्तों ने 1.50-1.50 लाख रुपये दिए।

जय श्री राम लिखने पर कारपेंटर को पीटा

भोपाल। राजधानी में कारपेंटर का काम करने वाले व्यक्ति के साथ उसी की समाज वालों ने जमकर मारपीट कर घर में तोड़फोड़ की, इस मामले में पीड़ित ने प्रकरण दर्ज करवाते हुए अपने साथ हुई घटना का खुलासा किया है, आश्चर्य की बात तो यह है कि लोगों ने उसकी पत्नी और महज चार साल की बेटी के साथ भी मारपीट की।

मीडिया खबरों के मुताबिक कारपेंटर का काम करने वाले मुनव्वर अंसारी ने भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा की एक पोस्ट पर जय श्री राम लिख दिया था, जिसके चलते मुनव्वर की समाज के ही लोगों ने उसके साथ घर में घुसकर मारपीट कर तोड़फोड़ की, उसे कौम का गद्दार बताते हुए तीन लोगों ने जमकर मारपीट की व सामान तोड़फोड़ दिया। कारपेंटर मुनव्वर निवासी कोकता भोपाल ने बताया कि वो विधायक रामेश्वर शर्मा से जुड़ा है, इसी के चलते उसने उनकी पोस्ट पर जय श्री राम लिखा था, इस बात को उसी के पड़ोसी ने पूरे मोहल्ले में फैला दी और कहा कि ये कौम का गद्दार है। उसे सबक सिखाने के लिए शाम 7 बजे 15 लोग उसके घर में घुस आए। उसकी पत्नी को भी पीटा और उसके घर के बर्तन फेंक दिए। घटना को देखकर उसके बेटे ने डायल 100 को सूचना दी, बताया जा रहा है कि इस दौरान कारपेंटर की चार साल की बेटी के साथ भी मारपीट की गई।

आरा मशीनों से चार हजार सागवान की सिल्लियां जब्त

बीनागंज। राजस्थान और मध्यप्रदेश की वन विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से मनोहरथाना की चार आरा मशीनों पर दबिश देकर चार हजार सागवान की सिल्लियां जब्त की। जिनकी अनुमानित कीमत 75 लाख रुपये आंकी गई है। खास बात यह कि जब्त सागवान को उठाने चार ट्रक और सात ट्रैक्टर-ट्रालियां लगाना पड़ी। कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीमों ने मशीनों को जब्त करने के बाद प्लेटफार्म को नष्ट कर दिया। सागवान की लकड़ी का अवैध परिवहन और व्यापार की वन विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थी, जो

मधुसूदनगढ़ क्षेत्र से राजस्थान के मनोहरथाना क्षेत्र में खपाई जा रही थी। बीनागंज के रेंजर सौरभ द्विवेदी ने बताया कि सागवान की लकड़ी के अवैध परिवहन पर रोकथाम के लगातार प्रयास किए जा रहे थे। लेकिन गत वर्ष सितंबर महीने में अवैध रूप से सागवान की लकड़ी का परिवहन कर रहे तस्करों ने वन विभाग की टीम पर हमला किया था। इस पर विभाग की ओर से शासन को एक चिट्ठी लिखी गई थी, जिसमें अवैध रूप से परिवहन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई व रोकथाम की अनुमति मांगी गई थी। इसी क्रम में शासन स्तर पर राजस्थान के वन विभाग के अफसरों से बात की गई। इसके बाद मप्र और राजस्थान वन विभाग के डीएफओ द्वारा राजस्थान के झालावाड़ में मनोहरथाना क्षेत्र में संयुक्त दबिश की रणनीति तैयार की गई। करीब 70 की संख्या में बल के साथ गुना डीएफओ हेमंत रायकवार और झालावाड़ डीएफओ संग्रामसिंह कटियार की मौजूदगी में मनोहरथाना मुख्य मार्ग स्थित चार आरामशीन पर दबिश दी।

रेंजर द्विवेदी ने बताया कि उक्त कार्रवाई राजस्थान में की गई है। इसलिए जब्त लकड़ी भी झालावाड़ में रखी गई है। अब मप्र की ओर से उक्त सागवान की लकड़ी की सुपुर्दगी के लिए कोर्ट में प्रकरण लगाएंगे। इस दौरान अपनी डिवीजन के अलावा जिले की अन्य डिवीजन से भी प्रकरण खंगालने कहा है, ताकि कोर्ट में प्रकरण लगाकर लकड़ी को सुपुर्दगी में ले सकें।

फर्नीचर हाउस में भीषण आग

रुड़की। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून हाईवे पर इब्राहिमपुर के पास फर्नीचर हाउस और लकड़ी के गोदाम में आग लगने से लाखों रुपये का माल जल कर राख हो गया। काफी मेहनत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। आग बुझाने के लिए दमकल की दो गाड़ियां पहुंचीं। लेकिन उनका पानी भी कम हो गया। इसके चलते एक हाइड्रेंट से पानी लाया गया। तभी आग पर काबू पाया जा सका। खबर लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया था।

टिंबर मार्केट में लगी आग, लाखों की लकड़ी जली

इंदौर। धार रोड के चंदन नगर स्थित टिंबर मार्केट में देर रात आग लगने से लाखों रुपए की लकड़ी जलकर खाक हो गई। आग लगने की जानकारी लगते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना के बाद दमकल की 5 से अधिक गाड़ी व नगर निगम के कई पानी के टैंकर इस आग बुझाने में लग गए। सुबह 7 बजे आग पर काबू पाया लिया गया। चंदन नगर रोड पर करीब 6 घंटे तक आग का तांडव चलता रहा। सुबह 7 बजे जब आग की लपटें कुछ कम हुई तो नगर निगम ने जेसीबी से लकड़ियों को हटाकर भी पानी डाला। फायर ब्रिगेड की मानें तो सूखी लकड़ी होने के कारण वह फिर से आग पकड़ सकती थी। इस कारण दमकल कर्मी सुबह 8 बजे के बाद भी मौके पर जुटे रहे। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड के मुताबिक देर रात 1 बजे फायर कंट्रोल रूम को आग की सूचना मिली थी। चंदन नगर स्थित तीन दुकानों में भीषण आग की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। 5 टैंकर की सहायता से सुबह 7 बजे तक इस आग पर काबू पा लिया। लकड़िया सुखी होने के कारण आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं। आग रहवासी इलाके में ना चली जाए इसका भी ध्यान रखा जा रहा था। चंदननगर लकड़ी पीठे के पीछे बस्तियों तक आग न पहुंचे इसलिए पीठे के चारों ओर भी पानी डाला गया। था।

शीशम, सागवान की लकड़ियों से बनाएं फर्नीचर

वास्तु शास्त्र में लकड़ी के फर्नीचर का खास महत्व होता है। कुछ ऐसे पेड़ हैं जिनकी लकड़ी से बना फर्नीचर घर का वास्तु बिगाड़ सकता है और घर पर सकारात्मक के बजाय नकारात्मक उर्जा का वास होने लगता है। इससे कारोबार, उन्नति और आर्थिक स्थिति पर भी प्रभाव पड़ता है।

चंदन – चंदन बहुत ही पवित्र लकड़ी होती है। इसका इस्तेमाल खासकर पूजा-पाठ के लिए किया जाता है। घर पर चंदन की लकड़ी से पूजा के लिए मंदिर बनवाया जा सकता है। लेकिन भूलकर भी चंदन की लकड़ी का अन्य फर्नीचर नहीं बनवाएं।

आम – चंदन की ही तरह आम के पेड़ की लकड़ी भी पूजा-पाठ के लिए शुभ मानी जाती है। आम की लकड़ी से हवन व यज्ञ संपन्न होते हैं। आम के पेड़ की सिर्फ लकड़ी ही नहीं बल्कि इसकी पत्तियों का इस्तेमाल भी पूजा व शुभ कार्यों में किया जाता है। इसलिए आम की लकड़ी से बना फर्नीचर भी घर पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

पीपल – पीपल का पेड़ पूजनीय होता है। शनिवार और मंगलवार के दिन कई लोग पीपल पेड़ पर विधिवत पूजा करते हैं और जल डालते हैं। पीपल पेड़ की पूजा करने से जीवन की कई परेशानियों से मुक्ति मिलती है। पूजनीय होने के कारण पीपल के पेड़ की लकड़ी से बना फर्नीचर भी घर पर नहीं रखना चाहिए। जो पेड़ कांटेदार होते हैं या जिन पेड़ों को काटने से दूध या गोंद निकलता है, ऐसे पेड़ों की लकड़ी से बना फर्नीचर भी घर पर रखना शुभ नहीं होता। दूध वाले पेड़ों में गूलर, आक और बरगद जैसे पेड़ शामिल हैं घर पर वटवृक्ष, पाकर, कैथ और करंज की लकड़ियों के बने फर्नीचर का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वहीं घर के फर्नीचर, चौखट और दरवाजा आदि के लिए नीम, शीशम, सागवान और अशोक जैसी लकड़ियों का प्रयोग किया जा सकता है।

कारपेंटर्स न्यूज

RNI NO. MAHHIN/2005/16460

हमें फॉलो करें : Facebook.com/carpentersnews | twitter.com/carpentersnews1 | Telegram: https://t.me/carpenters_news

संपर्क करें : Mo. 9320566633 | Email: carpentersnews@gmail.com | **ईपेपर :** http://cwaindia.org/ePaper/

मुंबई | मई 2022 | वर्ष : 17 | अंक : 06 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 2 रुपए

वॉट्सऐप में जुड़ सकेंगे 512 लोग

वॉट्सऐप ने बड़े समूहों को ध्यान में रखकर दो नए फीचर्स लॉन्च किए हैं, इसके तहत एक ग्रुप में अब 512 लोगों को जोड़ा जा सकेगा और यूजर्स 2 जीबी तक की फाइल शेयर कर सकेंगे। वॉट्सऐप में अब तक एक ग्रुप में अधिकतम 256 लोगों को ही जोड़ने की व्यवस्था थी। कंपनी बड़े समुदायों को अपने प्लेटफार्म पर एक दूसरे से जुड़ने और विचारों को मौका देने के लिए दो नए फीचर्स को जारी करना शुरू कर दिया है।

कारपेंटर मानव सभ्यता का पहला कारीगर

ओजोन लॉयल्टी प्रोग्राम से जुड़े कारपेंटर

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी मुंबई के उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि मानव सभ्यता की पहली कारीगरी कारपेंटरी है। जब लोग समूहों में रहना शुरू किये तब से लकड़ियों के विभिन्न प्रयोगों के रूप विकसित हुए और कारपेंटरी उद्योग की शुरूआत हुई। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएसन व ओजोन के संयुक्त तत्वाधान में मालाड (पश्चिम) स्थित रुईया हाल में आयोजित कारपेंटर सम्मेलन में आचार्य त्रिपाठी ने कहा कि ईमारत निर्माण से लेकर घर की आंतरिक साज सज्जा का कार्य विश्वकर्मा समाज के द्वारा ही किया जाता है।

विश्वकर्मा समाज की कारीगरी कार्य पर ईश्वरीय कृपा है, इनके बिना सुखमय जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के पैतृक व्यवसाय पर अब दूसरे समुदाय का कब्जा हो रहा है। इसे सामाजिक जनजागरूकता के माध्यम से बचाने की जरुरत है।

ओमफर्न के निदेशक राजेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज को अपने पैतृक व्यवसाय को और समृद्ध बनाने के लिए खुद को भी तराशना होगा। अब हमें नए तकनीकी के साथ आगे बढ़ना होगा।

पत्रकार अभय मिश्र ने कहा कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की जो रौनक हम सब देख रहे है, उसमें विश्वकर्मा समाज का खास योगदान है। लोगों की सुख सुविधाओं में विश्वकर्मा समाज के श्रम साधना को भुलाया नहीं जा सकता।

कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण विश्वकर्मा ने कहा कि हर क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहा है, हमारा प्रयास रहता है कि संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कारपेंटर भाईयों को व्यवसाय में नवीनता का नया मार्ग मिले। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से हमें फर्नीचर क्षेत्र में हो रहे क्रांतिकारी परिवर्तनों के बारे में जानकारी मिलती है। अब समय आ गया है, हम सबको मिलकर अपने पारंपरिक व्यवसाय में नवीनता लाने के लिए कार्य करने होंगे। ओजोन की ओर से सुनील भट्ट व पुनीत काठपाल ने कंपनी के हार्डवेयर उत्पादों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कांट्रैक्टर्स, कारपेंटर व ग्लास फैब्रिकेटर्स को ओजोन लॉयल्टी प्रोग्राम ओजो स्टार्स से जोड़ा गया। ओजोन की ओर से समारोह में सम्मिलित सभी कारीगरों को उपहार भी दी गई।

समारोह में भाजपा मुंबई सचिव प्रमोद मिश्रा, श्री विश्वकर्मा क्रेडिट सोसायटी के चैयरमेन राधेश्याम विश्वकर्मा, लल्लूराम विश्वकर्मा, पत्रकार राजकुमार विश्वकर्मा आदि ने भी विचार रखे। इस अवसर पर विश्वकर्मा समिति मुंबई,श्री विश्वकर्मा पांचाल समाज एसोसिएशन, नवजीवन श्री विश्वकर्मा सेवा समिति, भारतीय श्री विश्वकर्मा कल्याण समाज संस्था,श्री विश्वकर्मा फाउंडेशन,विश्वकर्मा विकास समिति, राष्ट्रीय विश्वकर्मा महासभा, विश्वकर्मा समाज, रेड ब्रिगेड, विश्वकर्मा सेवा संस्था, श्री विश्वकर्मा सेवा संस्था, श्री विश्वकर्मा सेवा मंडल आदि सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। समारोह को सफल बनाने में योगेश विश्वकर्मा, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, नारायण विश्वकर्मा, काशीनाथ गुप्ता, रमेश विश्वकर्मा, गुलाब विश्वकर्मा, मिथिलेश विश्वकर्मा, मोतीलाल विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा, दीनानाथ विश्वकर्मा, संतलाल विश्वकर्मा, कृष्णा महाराना, संजय विश्वकर्मा, शैलेश विश्वकर्मा, डॉ. के.के. विश्वकर्मा, मूलचंद विश्वकर्मा, जनार्दन विश्वकर्मा आदि पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम का संचालन कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक गंगाराम विश्वकर्मा ने किया जबकि संस्था के महामंत्री दिनेश विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया। समारोह में लोकगायक गायक सुरेश शुक्ल ने सम-सामयिक गीत प्रस्तुत कर लोगों को भाव विभोर कर दिया।

13 नवंबर को मुंबई में कारपेंटरों का मेगा सम्मेलन

मुंबई। भवन निर्माण व आंतरिक साज-सज्जा से जुड़े कारीगरों की सामाजिक संस्था कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन का वार्षिक कारपेंटर महासम्मेलन 'एक शाम कारपेंटरों के नाम' का आयोजन रविवार, 13 नवंबर 2022 को मालाड (पश्चिम) स्थित बजाज हॉल में किया जायेगा। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वशिष्ठनारायण विश्वकर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित वार्षिक कारपेंटर महासम्मेलन कोरोना महामारी के दौरान दो वर्षों तक नहीं हुआ। ज्ञातव्य हो कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से कारपेंटर महासम्मेलन 'एक शाम कारपेंटरों के नाम' का आयोजन 22 वर्षों से किया जा रहा है। इस सम्मेलन में आंतरिक साज सज्जा से जुड़े उत्पाद प्लायवुड, ग्लू, हार्डवेयर फीटिंग, एमडीएफ, लेमिनेट्स, अल्युमिनियम कम्पोजिट पैनल आदि की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है। कार्यक्रम में बतौर प्रायोजक भाग लेने के लिए संयोजक गंगाराम विश्वकर्मा से मो. 9320566633 पर संपर्क किया जा सकता है।

TAPARIA®

तापड़िया®
AN ISO-9001 CO.

AN ISO 9001 COMPANY

लीजिए तापड़िया के औजार
और अनुभव कीजिए हाथों में शक्ति
प्रत्येक व्यक्ती को हैण्ड टूल्स की आवश्यकता होती हैं।

तापड़िया औजार चलें जीवनभर
औजार मानव के हाथ का विस्तार हैं।

Ask For Other Quality Hand Tools From Taparia Like Line Tester, Tin Cutter, Cable Cutter, Bolt Cutter, Socket Sets, Hacksaw Blades & Non-sparking Tools Etc....

Head Office :- 423/424, A-2, Shah & Nahar, Lower Parel (W), Mumbai - 400 013 Tel.: 022 - 6147 8646
E-mail : htaparia@tapariatools.com www.tapariatools.com CIN: L99999MH1965PLC013392
Works :- 52-B, M.I.D.C., Satpur, Nashik - 422 007 Tel.: 0253 - 2350 317 E-mail : nashik@tapariatools.com

TJM/TTL/22/HIN

ओजोन लॉयल्टी प्रोग्राम 'ओजो स्टार्स' से जुड़े कारपेंटर

ओजोन हार्डवेयर कंपनी की ओर से मुंबई में आयोजित कारपेंटर सम्मेलन में बड़ी संख्या में फर्नीचर कारीगरों ने भाग लिया। इस सम्मलेन में फर्नीचर कारीगरों को ओजोन के विभिन्न फर्नीचर फिटिंग्स के बारे में जानकारी दी गई। कांट्रैक्टर्स, कारपेंटर व ग्लास फैब्रिकेटर्स को उनके मोबाईल से ओजोन लॉयल्टी प्रोग्राम ओजो स्टार्स से जोड़ा गया। ओजोन की ओर से समारोह में सम्मिलित सभी कारीगरों को उपहार भी दी गई। इस अवसर पर सुरुचिपूर्ण भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।

NIKHIL

Mahacol®
The Right Adhesive

महाकोल जलवीर

Coverage: 48 – 53 sq. ft / kg

अथवा

Rs.15
TOKEN
PER POUCH

बेहतरीन कवरेज

वॉटर प्रूफ एडहेसिव

विजय कुमार दत्ता
सी.ई.ओ.

Since 1986

Suzu

An ISO 9001:2015 Certified Company | | CE Certified

सी.ई.ओ. संदेश

सुजू स्टील (इण्डिया) भारत की उन प्रमुख कंपनियों में से एक है, जिन्होंने लॉक्स और डोर हार्डवेयर फिटिंग्स के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है। सुजू ब्रांड की स्थापना 1986 में हरियाणा के रोहतक में श्री सुशील बंसल और श्री बृजभूषण बंसल के मार्गदर्शन में हुई थी। कंपनी ने विनिर्माण संयंत्रों को जोड़ने के साथ-साथ पूरे देश के बाजार में प्रवेश करने के मामले में जबरदस्त प्रगति की है। हमें यह देखकर गर्व हो रहा है कि श्री अनिमेष बंसल, (निदेशक) और श्री सचिन बंसल, (निदेशक) दोनों भारत में सूजू ब्रांड के भविष्य के बारे में बहुत प्रगतिशील और सकारात्मक हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान उनकी मार्गदर्शक शक्ति से, कंपनी ने 400 से अधिक वितरक विकसित किए हैं और 20000 से अधिक डीलरों के साथ सम्बन्ध स्थापित किया है। 'सुजू स्टील' सरकारी विभाग, बिल्डर्स और व्यापारिक संस्थानों के क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान कंपनी ने दुनियाभर में निर्यात के क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियों में विस्तार किया है। 'सुजू' का अर्थ है गुणवत्ता और व्यापार में वृद्धि। सुजू स्टील नेव्यापारिक संस्थानों, सरकारी विभागों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सराहनीय कार्य किया है हम अपनी गुणवत्ता, सेवाओं में निरंतर सुधार कर रहे हैं और दुनिया भर में अपने नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। 'सुजू स्टील' अगले 5 वर्षों में भारत के उच्च श्रेणी के 4 हार्डवेयर ब्रांडों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का लक्ष्य लेकर चल रही है। हम अपने सभी ग्राहकों, व्यापार भागीदारों और उपभोक्ताओं को 'सुजू' ब्रांड के ताले और डोर हार्डवेयर उत्पादों पर विश्वास व समर्थन देने के लिए धन्यवाद देते हैं।

36 Growing Years

सफलता का मंत्र

हमारी पूरी सेल्स और एडमिन टीम उपभोक्ता को संतुष्टि प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता और सेवाएं देने में विश्वास करती है।
यही हमारी सफलता का मंत्र है।

विजय कुमार दत्ता 'सी.ई.ओ.'

~ Our Global Associates ~

DUBAI | GERMANY | U.K. | NEPAL | BANGLADESH | BHUTAN | SRI LANKA | NIGERIA | KENYA | TANZANIA

www.suzusteel.com | www.suzu.in

खालसा में शामिल होने और राम रौनी किले को बचाने के जस्सा सिंह के महत्वपूर्ण निर्णय ने न केवल उनके अपने जीवन को बल्कि सिख इतिहास को भी बदल दिया। उन्हें रामगढ़िया के रूप में सम्मानित किया गया था। खालसा पंथ की लड़ाई में प्रमुख भूमिका निभाने वाले महान रामगढ़िया के संस्थापक के रूप में उनका नाम हमेशा जीवित रहेगा।

महाराजा जस्सा सिंह कैसे बने 'रामगढ़िया'

298 वीं जयंती पर विशेष लेख

महाराजा जस्सासिंह के दादा हरदास सिंह 1699 से अपने अंतिम समय तक श्री गुरुगोविंद जी महाराज की सेवा में सेवारत रहे। श्री केसगढ़ आनन्दपुर साहिब में जब खालसा की स्थापना की वे वहां मौजूद थे और वहीं पर अमृतपान करके सिंह बने थे। इनका पुश्तैनी गांव खेमकरन से 19 मील दूर सुरसिंध था परंतु बाद में उनके पूर्वज अमृतसर के पास गांव इच्छोगिल में आ गए थे। इनमें सकड़ दादा रामू उनके पुत्र विधिचन्द, उनके पुत्र हरदास जी, उनके दो पुत्र भगवान सिंह जो पिता के साथ रहते थे और दूसरा बेटा दानसिंह गांव में रह कर पुश्तैनी कार्य बढ़ईगिरी करता था। भगवान सिंह के पांच पुत्र हुए जिनमें सबसे बड़े जस्सासिंह थे अन्य तारासिंह, माली सिंह, खुशहाल सिंह और जैसिंह थे।

सरदार जस्सासिंह का जन्म 5 मई 1723 ई. में इग्छोगिल गांव निकट अमृतसर में हुआ। आपकी माता जी का नाम मांगो था। हालात को देख कर पिता ज्ञानी भगवान सिंह ने अपने पुत्रों को स्वयं ही गुरमुखी शिक्षा दी और गुरु वाणियां याद करवाई। ये सभी भाई बहुत बलवान थे इनसे युद्ध करके कोई जीत नहीं पाया।

ज्ञानी भगवानसिंह ने गुरू गोविन्द सिंह जी की तन-मन-धन से इतनी सेवा की, कि उन्होंने प्रसन्न होकर यह वर दिया कि इनको राज्य मिलेगा अर्थात इसके उत्तराधिकारी राज्य के अधिकारी बनेंगे। गुरू जी का वरदान स. जस्सा सिंह रामगढ़िया ने सत्य कर दिया, जब मिसलों के अन्तर्गत उस मिसल का राज प्रबन्ध किया।

जब जकरिया लाहौर का गर्वनर था और उसने ईरानी शासक नादरशाह के आक्रमण की बात सुनी तो सिखों का दमन करने की नीति बदलकर उनका समर्थन चाहा। उस समय सिखों के दल का नेतृत्व ज्ञानी भगवान सिंह कर रहे थे। नादरशाह के आक्रमण के समय जकरिया खां की सहायता की तो उसने खुश होकर ज्ञानी भगवान सिंह को पांच गांव का रसालदार बना दिया। उन्हीं दिनों में नवनियुक्त जस्सासिंह ने सरदार गुरदयाल सिंह पंचगढ़ के हाथों से अमृतपान किया। लाहौर दरबार में नौकरी करते उन्होंने बहुत योग्यता का परिचय दिया। उन्होंने जालंधर के फौजदार अदीना बेग को मुठभेड़ में हरा दिया। 1745 में जकरिया खां की मौत हो गई और अराजकता फैल गई। जस्सासिंह भाईयों सहित सरदार नंद संघानिये के दल में शामिल हो गए और उनकी मौत के बाद जस्सा सिंह उस दल के सरदार बन गये।

सन 1738 में इरान के शासक नादिरशाह ने भारत पर हमला कर दिया। वह गरीब गड़ेरिया परिवार में पैदा हुआ था जो अपनी बहादुरी से ईरान और अफगानिस्तान का शासक बन गया। उस समय भारत पर कमजोर मुगल बादशाह मुहम्मदशाह का शासन था। मुल्क में चारों ओर बगावत थी।

नादिरशाह ने 1939 में पंजाब पर हमला किया और भारी लूटपाट मचाई। जिसमें मुगल शासक का साथ सिखों ने भी दिया। परन्तु नादिरशाह की आंधी के आगे कोई नहीं टिक सका और गर्वनर जकरिया खां ने भारी नजराना देकर हाथ पांव जोड़ अपनी इज्जत बचाई और नादर की फौज आगे करनाल तक पहुंच गई। नादिरशाह 9 मार्च 1939 में दिल्ली का विजेता बन गया। दिल्ली में खूब लूटपाट की और वापिस जाते समय लूट के सामान में उस के पास 70

करोड़ का सोना, जवाहरात, बीस करोड़ का जुमार्ना, एक हजार हाथी, सात हजार घोड़े, दस हजार ऊंट, 200 बढ़िया कारीगर, 120 हस्तलिपि विशेषज्ञ, 200 लुहार, 300 राजमिस्त्री, 200 पत्थर तराशने वाले, हरम की रखवाली के लिये 100 हिजड़े, 220 महिलाएं, कोहिनूर हीरा, तखते ताऊस जैसा बेहिसाब लूट का माल था। इतना होने पर उसने पंजाब के गर्वनर जकरियां खां को संदेश भेजा कि वह मुझे लाहौर आने पर एक करोड़ रुपये तैयार रखे। दिल्ली से नादिरशाह भारी गरमी के दिनों में वापस चल पड़ा। नादिरशाह लाव लश्कर में सबसे आगे चल रहा था और भीषण गर्मी से बचने के लिये अधिकतर पड़ाव नदी किनारे ही करता था। बाद में उसने हिमालय के पहाड़ी रास्तों से जाना शुरू कर दिया।

पंजाब के सिख पहले से ही पहाड़ी जंगलों और रास्तों का प्रयोग अपने बचाव में कर रहे थे। नादिरशाह की लूट के बारे पल-पल की खबर मिल रही थी। उन्हें भारी रोष था कि उसने लूट में 2200 लड़कियों को साथ लिया था। उन्हें छुड़ाना सिखों ने अपना लक्ष्य बना लिया था। जून 1939 में दल खालसा ने कई टुकड़ियों में अपने आपको बांट लिया। कोई लश्कर को तंग करने वाली, कोई लूटने वाली, कोई लड़कियों को छुड़ाने वाली, अंतिम टुकड़ी इन सबकी सुरक्षा करने वाली। इनमें से एक टुकड़ी में मुख्य युवा 17-18 वर्ष का युवक जस्सा सिंह भंमरा भी था। बूढ़ा दल का मुख्य स. जस्सा सिंह आहलूवालिया था। सिखों ने नीति बनाकर दोपहर की भीषण गर्मी में जब ईरानी सैनिक अर्ध कपड़ों में पेड़ों के नीचे आराम कर रहे थे सिखों ने बिजली की गति से अपना काम किया। छुड़ाने वाले लड़कियों को छुड़ा ले गए। लूटने वालों के हमले जारी रहे जो जिसके हाथ लगा लूट कर भाग गया। सिखों ने दिल्ली विजेता नादिरशाह को लूट लिया और आंखों से ओझल हो गए। इस कारवाई में जस्सासिंह रामगढ़िया सरदार को बहुत माल मिला और उस समय रावी किनारे डल्ले में अपना पहला छोटा किला बना कर सिख राज का शिलान्यास किया। नादिरशाह ने लाहौर पहुंचकर जकरियां खां से पूछा ये लुटेरे कौन हैं? और कहां रहते हैं? जकरिया खां ने कहा ये सिख हैं और जंगलों व पहाड़ों में रहते हैं। उसने फिर पूछा ये सोते कहां हैं और खाते क्या हैं? जकरिया खां ने जवाब दिया ये घोड़ों की पीठ पर सो जाते हैं और जंगलों में पत्रों व पेड़ों की छाल खाकर अपना व परिवार का गुजारा करते हैं। फिर पूछा इनको काबू क्यों नहीं करते? खान ने कहा जहांपनाह हम तो इन्हें काबू करते करते थक गए पर ये काबू नहीं आते। उत्तर जान कर नादिरशाह ने कहा कि जकरियां खां आने वाले दिनों में यही लोग पंजाब के मालिक होंगे। हो सके तो इन का नामो निशान मिटा दो। नादिरशाह की चेतावनी पर जकरिया खां ने सिखों पर फिर सख्ती शुरू कर दी। इस समय पंजाब में दल खालसा के छोटे -छोटे दल बन गए और जस्सासिंह भी अपने भाईयों के साथ एक दल का मुखिया बन गया और उसे जस्सासिंह इग्छोगिल के नाम से जाना जाता था। जकरियां खां ने जून 1740 से श्री हरिमंदिर साहिब की मयार्दा को मस्सा सिंह रंगढ़ द्वारा अपवित्र कराना शुरू कर दिया। जंगलों में छुपे सिखों की आत्मा को इस बात ने परेशान कर दिया। बीकानेर के जंगलों में सिखों को यह समाचार मिला वहां से महताब सिंह और सुख्खा सिंह कलसी, धीमान वंशजद्ध ने मस्सा सिंह रंगढ़ का सिर काट कर बीकानेर लाने का प्रण लिया। हरिमंदिर साहिब के अन्दर किसी तरह रूप बदल कर वे दाखिल हो गए जहां मस्सा रंगड़ एक पलंग पर बैठा शराब पी रहा था और सामने नृत्य की महफिल सजी थी। वह कभी - कभी हुक्का भी पीने लगता था। दोनों ने थैलियों में ढीकरी भरी थी उन्हें भेंट कह कर के आगे रख दी और दोनों सावधान हो गए। शराब के नशे में झुक कर जैसे ही थैलियां देखना चाही तभी बिजली की तेजी से महताब सिंह ने कपड़ों में छिपी कृपाण निकाली और झुके हुए मस्सा रंगड़ का सिर धड़ से अलग कर दिया। तभी सुरखा सिंह ने पास खड़े मुगल सैनिक का नेजा छीन कर नेजा में टांग लिया और बाहर आ गए और घोड़ों पर बैठे हवा की तरह बीकानेर की ओर भाग गए। मुगल सैनिक उस कारवाई को समझ ही नहीं पाए थे कि वे फरार होने में कामयाब हो गए।

रामरौणी का किला -

30 मार्च 1747 को बैशाखी पर्व पर अमृतसर में भारी संख्या में सिखों का कार्यक्रम हुआ। 2 वर्ष बाद धूमधाम से पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सरबत खालसा के माध्यम से विचार विमर्श कर अमृतसर की सुरक्षा के लिये किले का निर्माण करने का निर्णय लिया गया। पर्व के बाद हरिमंदिर से तीन मील दूर रामसर में किले का शुभारंभ हुआ। बड़े बड़े गुंबज व दरवाजे बनाए गए। किले के पास चौड़ी खाई बनाई गई। इस किले का नाम गुरू रामदास के नाम पर रामरौणी रखा गया। निर्माण की मुख्य सेवादारी सरदार जस्सासिंह इच्छोगिल को दी गई। एक महीने में किले का निर्माण पूरा हो गया। सभी सिख दलों ने इसमें अपना सहयोग दिया। अभी वह किला कच्चा ही था। सुखा सिंह कलसी का उत्साह इस के निर्माण में सराहनीय था। इसके भीतर अमृत सरोवर, विवेकसर, संतोखसर और रामसर आदि को शामिल किया गया। जस्सा सिंह अब तक भरपूर युवा थे और अपने भाईयों के साथ सरबत खालसा का भाग बन कर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। इसी दौरान एक अफवाह फैली कि जस्सासिंह इच्छोगिल वाले के घर एक कन्या का जन्म हुआ पर परिवार ने उसे खत्म कर दिया है। यह अफवाह आग की तरह फैल गई। कन्या का वध सिखों में बहुत बड़ा अपराध माना जाता है। सरबत खालसा ने जस्सासिंह की दलील सुने बिना ही उसे और उसके भाईयों को पंथ से निकाल दिया। जबकि कन्या वध झूठी अफवाह थी। इस संकट की घड़ी में जस्सासिंह के पास सौ युद्ध घुड़सवारों की टुकड़ी थी पर वह सोच नहीं पा रहा था कि वह क्या करें।

उन दिनों लाहौर का सुब्बेदार मीरमन्नू था और जालंधर का नवाब अदीना बेग था। जस्सा सिंह ने उस मौके पर विचार कर अपने जत्थे सहित अदीना बेग की सेना में नौकरी कर ली। उसके पास 200 घुड़सवार थे। मीर मन्नू के साथ मिलकर अदीना बेग ने अमृतसर में अक्तूबर 1748 को रामरौणी किले पर हमला कर दिया। जब किले के अन्दर रसद खत्म होने लगी तो सिखों ने किले के अन्दर से जस्सासिंह को पत्र भेजा कि वह अदीना बेग की नौकरी छोड़ दे और सिखों की सहायता करे। सन 1748 अक्तूबर में दल खालसे की ओर से स. जस्सा सिंह को आदेश भेजा गया कि वे आगे अदीना बेग के साथ मेल न रखें। उसने नौकरी छोड़ कर अपने दस्ते के साथ अमृतसर आ गया। जस्सा सिंह अपने मतभेद भुल कर एक रात किले के भीतर सिखों से जा मिले। सिखों ने उसके भीतर आते ही किले का सारा दायित्व उसे सम्भाल दिया। अदीना बेग स. जस्सासिंह के किले के भीतर जाने से अन्दर ही अन्दर घबरा रहा था। अहमद शाह अब्दाली के पंजाब पर हमले की अफवाह भी दी। अदीना बेग ने दीवान कौवामाल की मारफत मीरमन्नू को समझा कर रामरौणी का घेरा खत्म कर दिया। अब सिक्खों ने रामरौणी किला को पक्का करने की योजना बनाई अब इस किले का नाम रामगढ़ का किला हो गया। स. जस्सासिंह को रामगढ़ किले का सरदार कहा जाने लगा। जो बाद में जस्सासिंह रामगढ़िये के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस किले में रहने वाले सभी सिपाहियों को रामगढ़िया कहा जाने लगा यहां से सरदार रामगढ़िया की पहचान बन गई।

साभार - विश्वकर्मा दूत

ग्रीनपैनल MDF के साथ नये जमाने का स्मार्ट कारपेंटर बनें।

ज़माना बदल रहा है। साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक और खेतों में बैल से लेकर ट्रैक्टर आदि तक। निर्माण के क्षेत्र में भी बदलाव देखा जा सकता है। दुनिया भर में 80% से अधिक फर्नीचर उत्पाद एम.डी.एफ. से बनाए जाते हैं जबकि भारत में हम 20% पर हैं। यह स्मार्ट होने का समय है, अपनी खुद की पहचान बनाएं मॉडर्न कारपेंटरी की तरफ बढ़ें। ग्रीनपैनल के संग जुडें और एक स्मार्ट कारपेंटर बनें। उत्तम क्वालिटी, बेहतरीन फिनिश और पैसों की बचत, सब एक ही बोर्ड में मिले, तो सोचना कैसा। इस्तेमाल कीजिए ग्रीनपैनल एम.डी.एफ. और रहिए बेफिक्र।

ग्रीनपैनल एम.डी.एफ. की रेंज

क्लब एच.डी.एफ. – क्लब एच.डी.एफ. पानी, नमी, दीमक और फंगस प्रतिरोधक प्रोडक्ट है। यह मुख्यता मॉडयुलर किचन के लिए उपयोग में लाया जाता है।

एक्सटीरियर ग्रेड एम.डी.एफ. – एक्सटीरियर ग्रेड एम.डी.एफ. मज़बूत अलमारी, बेड, टीवी युनिट व अन्य घरेलु फर्नीचर बनाने में मुख्यता उपयोग होता है।

इंटिरियर ग्रेड एम.डी.एफ. – इंटिरियर ग्रेड एम.डी.एफ. वुड क्राफ्ट, फर्नीचर, जाली कटिंग, सी.एन.सी वर्क और अन्य साज–सजावट जैसी चीज़ें बनाने में मुख्यता उपयोग होता है।

कार्ब P2 एम.डी.एफ. – कार्ब P2 एम.डी.एफ. एक पर्यावरण अनुकूल प्राडक्ट है। यह मुख्यता अस्पताल, स्कूल और घरों में भी उपयोग में लाया जाता है।

प्री–लैमिनेटेड एम.डी.एफ. – प्री–लैमिनेटेड एम.डी.एफ. कई तरह के कलर और टैक्स्चर में उपलब्ध है और इसमें लैमिनेट एम.डी.एफ. के ऊपर पेस्ट होता है। जिससे अलग से लैमिनेट लगाने की जरुरत नहीं होती है और शानदार फर्नीचर तत्काल तैयार हो जाता है।

एम.डी.एफ. एक, उपयोग अनेक

घरेलू कार्य – सभी फर्नीचर, दरवाज़े की चौखट, मॉडयुलर किचन।

व्यापारिक निर्माण – दरवाज़े, पैनल, ऑफिस इंस्टालेशन।

GREENPANEL

India's Largest Wood Panel Manufacturer

	मज़बूत और किफायती	उत्पादन की कम लागत	बोर्ड की सही मोटाई का भरोसा	कई गुना बेहतरीन फिनिश	जानी मानी ब्रैंड का भरोसा	आफ़्टर सेल सर्विस
ग्रीनपैनल एम.डी.एफ.	✓	✓	✓	✓	✓	✓
लोकल प्लाईवुड	✗	✗	✗	✗	✗	✗

GREENPANEL®

स्मार्ट बनें,
आज पैसे बचाएं,
कल को बेहतर बनाएं।

ग्रीनपैनल MDF को चुनें,
35% तक की बचत करें।*

*नियम और शर्तें लागू।

INDIA'S LARGEST WOOD PANEL MANUFACTURER

मज़बूत और टिकाऊ

जल प्रतिरोधक बोर्ड

ज़्यादा डेंसिटी वाला बोर्ड

फंगस प्रूफ और दीमक प्रतिरोधक

स्क्रू कसने में सुविधाजनक

5 *साल की वारंटी

मुख्य उपयोग : • किचन कैबिनेट्स • वार्डरोब • बाथरूम कैबिनेट्स • फर्नीचर • पार्टीशन और पैनलिंग

Greenpanel Industries Limited : 3rd Floor, Plot No. 68, Sector 44, Gurugram 122003, Haryana. T +91 124 4784600 | E info@greenpanel.com
www.greenpanel.com I Toll Free No. 1800 102 2999

विश्वकर्मा समिति मुंबई में 'आल इज वेल'

मुंबई। विश्वकर्मा समाज की सबसे बड़ी सामाजिक संस्था विश्वकर्मा समिति मुंबई, सांताक्रुज कालीना में गत 14 वर्षों से चल रहे आपसी विवाद को सुलझा लिया गया है। सभी पक्षों की आम सहमति से समिति में विवाद सुलझाने के लिए गठित तीन सदस्यीय टास्क टीम ने विशेष सर्वसाधारण सभा बुलाई, जिसमें टास्क टीम ने समाज हित में कठोर फैसला लेते हुए विश्वकर्मा समिति के मौजूदा तीनों गुटों के सभी पदाधिकारियों और बैंक ट्रांजेक्शन करने वाले सभी लोगों से लिखित इस्तीफा देने का आग्रह किया। टास्क टीम का सम्मान करते हुए सभी लोगों ने स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने वालों में सुनील राणा, धनराज शर्मा, दिनेश शर्मा, लल्लूराम विश्वकर्मा, गंगाराम विश्वकर्मा, रामशब्द विश्वकर्मा, चंद्रकेश विश्वकर्मा और अवधेश विश्वकर्मा शामिल हैं। इसके बाद एक और कड़ा फैसला लेते हुए विश्वकर्मा समिति की सभी कार्यकारिणियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया। इस तरह विश्वकर्मा समिति में सदस्यों के बीच पिछले चौदह वर्षों से चल रहे आपसी विवाद और झगड़े को स्थायी रूप से सुलझा लिया गया।

विश्वकर्मा समाज के लिए गौरव का प्रतीक रही विश्वकर्मा समिति मुंबई को तकरार, आपसी गुटबाजी और थाना-कचहरी के चलते डेढ़ दशक से लगभग ग्रहण सा लग गया था। संस्था में अनगिनत गुट बन गए थे। सब अपने ढंग से काम कर रहे थे। संस्था के कई बैंक खाते खुल गए थे। इसके चलते परिसर का माहौल ही दूषित हो गया था। इस गुटबाजी से विश्वकर्मा समाज के आम लोग बहुत दुखी और निराश थे। लोग मानने लगे थे कि समिति की स्थापना जिस उद्देश्य को लेकर लिए की गई थी, संस्था उससे दूर होती जा रही थी।

विश्वकर्मा समिति में विवाद 2008 में शुरू हुआ था, जब चुनाव में हारे हुए लोग निर्वाचित कमेटी के ऊपर मनमाना तरीके से काम करने के आरोपों को लेकर चैरिटी कोर्ट में मुकदमा दायर कर दिए। विश्वकर्मा समिति में सभागृह के संचालन व कथित भ्रष्टाचार आरोपों के कारण समाज में दूरियां बढ़ती गई। इस बीच कुछ लोगों ने विश्वकर्मा समिति में असंवैधानिक कमेटी बनाकर संस्था में असामाजिक कार्य शुरू कर दिए। विश्वकर्मा समिति भवन बनाने में विशेष योगदान देने वाले राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित

सभी कार्यकारिणी तत्काल प्रभाव से भंग

उद्योगपति संतोष कुमार राणा के नाम की लगी शिला पट्टिका को तोड़ दिया गया। इससे समाज में आक्रोश बढ़ गया। 8 मई 2022 को समिति के सदस्यों की उपस्थिति में राणा हाल के शिला पट्टिका का फिर से उद्घाटन किया गया। इसके बाद उपस्थित समाजजनों की बैठक हुई, जिसमें सभी ने सामाजिक एकता का संकल्प के साथ संस्था को बचाने का निर्णय लिया और सभी विवादों को खत्म करने के लिए एक टास्क टीम बना दी गई।

टास्क टीम के सदस्य राजेंद्र चित्तबहाल विश्वकर्मा,अधिवक्ता जे.पी. शर्मा व सुनील राणा ने कहा कि आपसी विवाद के कारण पूरे देश में विश्वकर्मा समिति मुंबई का नाम खराब हुआ है। उन्होंने कहा कि 14 वर्षों में विश्वकर्मा समिति के विवाद के कारण सामाजिक एकता की कड़ी कमजोर हुई है, इसे फिर से मजबूत करने होंगे।

विशेष सर्वसाधारण सभा में लल्लूराम विश्वकर्मा, रामनरेश विश्वकर्मा, पत्रकार हरिगोविंद विश्वकर्मा, गंगाराम विश्वकर्मा, प्रकाश प्यारेलाल विश्वकर्मा, रामजी विश्वकर्मा, दिनेश शर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, बाबूलाल विश्वकर्मा, रमेश शिवी, अनिल विश्वकर्मा, शोभनाथ विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, राजन विश्वकर्मा, वीरेंद्र विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, परविंदर विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, मदन शर्मा, लक्ष्मी चंद विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

आंबेडकर जयंती पर प्रतियोगिता का आयोजन

जम्मू। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के अवसर पर श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी, न्यू प्लाट जम्मू की ओर से प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता डॉ. आंबेडकर की जीवनी पर पूछे गए प्रश्नों पर आधारित थी। आंबेडकर की संक्षिप्त जानकारी बच्चों को पीडीएफ के फार्मेट में व्हाट्सप्प ग्रुप में डाल दी गई थी। 15 अप्रैल 2022 को श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी के हॉल में टेस्ट हुआ, जिसमें 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया और एक विद्यार्थी ने अपना उत्तर ऑनलाइन भेजा। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य था कि बच्चे डॉ. आंबेडकर के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकें और अपने इतिहास को समझें। इस प्रतियोगिता में पहला स्थान जानवी करोत्रा क्लास नौवीं की विद्यार्थी, दूसरा स्थान हर्षदेव विश्वकर्मा 12वीं क्लास के विद्यार्थी, तीसरा स्थान कृतिका कटारिया 11वीं कक्षा की विद्यार्थी, चौथा स्थान नंदिता 11वीं क्लास की विद्यार्थी ने प्राप्त किया। पहला पुरस्कार 1200 रुपए, दूसरा 800, तीसरा 400 और चौथा 200 रुपए का था। बाकी हर एक प्रतिभागी को एक पेंसिल बॉक्स दिया गया। प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण का समारोह विश्वकर्मा लाइब्रेरी के हाल में हुआ, जिसमें रमेश अंगोत्रा, मोहिंदर लाल, बलवंत कटारिया,ओम कटारिया,जोगिंदर अंगोत्रा, राजकुमार चलोत्रा, विशाल करोत्रा इत्यादि शामिल थे। इस अवसर पर बी. एस.एन.एल से अनिल धीमान मंडल अभियंता और सुशील वर्मा उपमंडल अभियंता विशेष अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी ने दिया सहारा

जम्मू जिले के धर्मखु गांव में एक युवक जो मिस्त्री का काम करता था, उसका हृदयाघात से निधन हो जाने पर बच्चों की पढ़ाई पर विपरीत असर पड़ रहा था। बेसहारा परिवार के पास गुजारा चलाने का कोई साधन नहीं था। तीन बच्चे पढ़ रहे हैं और पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो सकते थे। लाइब्रेरी ने अपना सामाजिक कर्त्तव्य निभाते हुए उस परिवार के विद्यार्थियों को एक हजार रुपए प्रति माह छात्रवृत्ति देने का प्रस्ताव पास किया। पीड़ित परिवार के घर पर जाकर पहले छह माह की रकम अदा कर दी। यह जिम्मेदारी लाइब्रेरी की कोर कमेटी के रमेश अंगोत्रा, महीन्दर लाल, राज चलोत्रा, बलवंत कटारिया, जोगिंदर अंगोत्रा और ओम कटारिया ने निभाई।

श्री विश्वकर्मा मंदिर सभा का कार्यकाल विस्तारित

फगवाड़ा। श्री विश्वकर्मा धीमान सभा फगवाड़ा की बैठक श्री विश्वकर्मा मंदिर फगवाड़ा में हुई। जिसमें सभा के सरप्रस्त साहिबान और समूह सदस्यों ने मौजूदा कमेटी को अगले साल 2022- 23 के लिए इसी तरह जारी रखने के लिए सर्वसम्मति से सहमति दी। जिसमें प्रधान बलवंत राय धीमान, जनरल सेक्रेटरी स. गुरनाम सिंह जूतला और कैशियर की सेवा विकरमजीत चग्गर निभाएंगे।

प्रधान साहब ने सभा के सरप्रस्त साहिबान और समूह सदस्यों का सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया। इस बैठक में सभा के सीन. वाइस प्रधान सुरिन्दर पाल धीमान, प्रदीप धीमान, सूरज धीमान, बख्शीस राम धीमान, रमेश धीमान, जसपाल सिंह लाल, अशोक धीमान, भुपिन्दर सिंह जंडू, तरलोक सिंह भोगल, सुरिन्दर सिंह कलसी, अमोलक सिंह झीता, सुरजीत सिंह विर्दी, नरिन्दर सिंह टट्टर, नरिन्दर सिंह भच्चू, पलविन्दर विर्दी, मनजीत सिंह सोहल, कृपाल सिंह, वरुण धीमान, गुरप्रीत सिंह लाल, रमेश कुमार धीमान, धीरज धीमान और आफिस सचिव बलविन्दर सिंह आदि उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा समिति में राणा हाल का उद्घाटन

मुंबई। सामाजिक संस्था विश्वकर्मा समिति मुंबई के सांताक्रुज (पूर्व) कालीना स्थित सभागृह को राणा हाल का नाम दिया गया है। 8 मई को समिति के सदस्यों की उपस्थिति में संस्था के पूर्व चेयरमैन राजेंद्र चित्तबहाल विश्वकर्मा,अधिवक्ता जे.पी. शर्मा, विश्वकर्मा मंदिर निर्माण के अध्यक्ष रामजी विश्वकर्मा, लल्लूराम विश्वकर्मा ने नारियल फोड़कर राणा हाल का उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के रहने वाले राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित उद्योगपति संतोष कुमार राणा का विश्वकर्मा समिति भवन बनाने में विशेष योगदान रहा। पूर्व में संतोष कुमार राणा के नाम की लगी शिला पट्टिका को कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़ दिया था, जिसके बाद विश्वकर्मा समाज में आक्रोश था। राणा हाल के शिला पट्टिका उद्घाटन के बाद उपस्थित समाजजनों की बैठक हुई जिसमें सभी ने सामाजिक एकता का संकल्प लिया। समारोह में गंगाराम विश्वकर्मा, सुभाष विश्वकर्मा,बाबूलाल विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, रामशब्द विश्वकर्मा, चंद्रकेश विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, अनिल विश्वकर्मा, शोभनाथ विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, श्यामकिशोर माली आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सिस्टम : सॉफ्ट-ओपन मैकेनिज्म के साथ खुलने वाला स्लाइडिंग सिस्टम्स

खूबसूरत दिखने वाले हर वार्डरोब के साथ एक ऐसा सिस्टम जुड़ा हुआ होता है जो की उसे सही जगह बनाए रखता है और पूरी सटीकता से काम करने में मदद करता है। वार्डरोब कितनी आसानी से स्लाइड होकर बंद हो जाता है और उसे सही तरह से खोलने या बंद करने के लिए कितनी कोशिश करनी पड़ती है ये सब इसी सिस्टम की वजह से हो पाता है। हर बेहतरीन वार्डरोब को एक बेहतरीन सिस्टम की जरुरत होती है और ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सिस्टम एक ऐसा ही बेहतरीन सिस्टम है। ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सिस्टम बेहद कम जगह घेरता है और काफी मजबूत भी होता है। स्लीक प्रोफाइल की वजह से यह काम जगह घेरता है और आप उतनी ही जगह में ज्यादा सामान रख सकते हैं साथ ही यह 65 किलोग्राम तक का वजन उठा सकता है। आराम से बिना आवाज किये बंद हो जाने वाला ओजोन स्लाइडिंग सिस्टम ऐसे आधुनिक और ट्रेंडी वार्डरोब्स के लिए बिलकुल सही है जो की सजावट के साथ साथ सुविधा का भी पूरा ख्याल रखें। इंस्टॉल करने/लगाने और रखरखाव में आसान ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सोल्युशन कई तरह की स्पेसिफिकेशन्स में मिल जाता है जो सबसे आधुनिक और बेहतर वोर्डरोब्स के लिए बिलकुल सही है। सुंदर और सुरुचिपूर्ण/ ऐस्थेटिकली अच्छे दिखने वाले खूबसूरत वार्डरोब्स के लिए खास तौर बार बनाए गए ओजोन वार्डरोब स्लाइडिंग सोल्युशन ट्रैक-लेस भी होते हैं, जिस वजह से वार्डरोब बंद करने पर कोई पट्टी या निशान नजर नहीं आता। आज के समय में जब अधिकांश लोगों के पास एक बड़ी जगह की कमी है, ऐसे में ओजोन वार्डरोब्स स्लाइडिंग सिस्टम कम जगह में एफफिशिएंट वार्डरॉब की सुविधा देता है। जो आपके घर की सुंदरता भी बढ़ता है और साथ ही बेहतर स्पेस मैनेजमेंट में आपकी मदद करता है। ओजोन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर- 18002020204 पर कॉल करें। अधिक जानकारी के लिए www.ozone-india.com पर लॉगिन करें।

1 – युनि –लाईन वार्डरॉब स्लाइडिंग सिस्टम

हाई –एन्ड 2 डोर वार्डरॉब स्लाइडिंग सिस्टम, सॉफ्ट–ओपन और सॉफ्ट–क्लोज फीचर फॉर कन्वीनियन्स
सूटेबल फॉर वुडेन एंड एल्युमीनियम फ्रेम्ड ग्लास डोर्स
स्पेसिफिकेशन्स:
यूस्ड आन डोर्स वेहिंग 60 kg ईच
सूटेबल फॉर वार्डरॉब विड्थ 2100 mm, 3000mm

2 – टॉप ग्लाइड सिस्टम –1

मैक्सीमाइजेस स्पेस यूटिलाइजेशन, वेयर इन ट्रैक्स आर नॉट विजिबल
सूटेबल फॉर डबल डोर वॉरड्रोब्स
स्पेसिफिकेशन्स:
डोर इंस्टालेशन: इनसेट
ट्रैक मॉउंटिंग: टॉप
डोर थिकनेस: 18–24 mm
वेट कैरिंग कैपेसिटी: 50 kg

3 – टॉप ग्लाइड सिस्टम – 22

मैक्सीमाइजेस स्पेस यूटिलाइजेशन, वेयर इन ट्रैक्स आर नॉट विजिबल
डोर इंस्टालेशन: ओवरले
कैन आल्सो बी यूस्ड फॉर वार्डरॉब अपटू 10 ft
स्पेसिफिकेशन्स:
ट्रैक मॉउंटिंग: टॉप
एप्लीकेशन टाइप: डबल डोर
डोर थिकनेस: 18–28 mm
वेट कैरिंग कैपेसिटी: 50 kg

4 – ओजो लाइन 65 बॉटम ग्लाइड

कम्स विथ ओवरलैपिंग ड्यूल डोर सिस्टम
सूटेबल यूज विथ सिंगल एज वेल एज डबल ट्रैक
फिटेड विथ ए एक्सीलेंट क्वालिटी – सुपीरियर स्प्रिंग मैकेनिज्म फॉर रोलरस बेटर ग्रिप आन दा ट्रैक
हाइली कनविनिएंट इन टर्म्स ऑफ फंक्शनिंग
हाई डूरबिलिटी अलोंगविथ सॉफ्ट क्लोज – ओपनिंग फंक्शन
स्पेसिफिकेशन्स:
डोर टाइप: वुडेन
एप्लीकेशन टाइप: ड्यूल डोर
डोर वेट: अपटू 65 kg
डोर थिकनेस: 18–25 mm

कारपेंटर भाइयों की पहली पसंद
E3 PVC EDGE BAND TAPE
E3
elegant | everlasting | economical
1st INDIAN MANUFACTURER IN WORLD CLASS QUALITY
लगाने में आसान, कभी न उतरे
रहे हमेशा नई जैसी
बचाए आपके फर्नीचर को पानी और दीमक से
भारत में निर्मित
+91 70251 70251 | info@e3panels.com | www.e3panels.com
DEALERS ENQUIRY SOLICITED FOR PAN INDIA

इंडोमैच इंडस्ट्रियल एंड मशीनरी एक्सपो 2022 में तापड़िया के औजारों का प्रदर्शन

सिकंदराबाद। तापड़िया टूल्स एक ऐसी आई एस ओ 9001-2000 प्रमाणित कंपनी है जो सन 1969 से भारत में प्रेसीजन तकनीक से उच्चकोटि के हैंड टूल्स का निर्माण करती है। कंपनी ने शुरू से ही उच्च गुणवत्ता को प्राथमिकता दी है। तापड़िया टूल्स हमेशा अपने उत्पादों को टायर 2 शहरों में ले जाने में सबसे आगे रही है, उनका मानना है कि राष्ट्र के निर्माण में इन शहरों का खास योगदान है। तापड़िया टूल्स ने 13 मई से 15 मई 2022 तक हिट्क्स प्रदर्शनी केंद्र, व्यापार मेला कार्यालय भवन, इज्जतनगर सिकंदराबाद में आयोजित इंडोमैच इंडस्ट्रियल एंड मशीनरी एक्सपो 2022 प्रदर्शनी में भाग लिया।

इस प्रदर्शनी में तापड़िया ने अपने नये लांच उत्पाद जैसे जैक स्टैंड, ग्रीस गन बैरल, वीडीई प्लायर्स, बाय मेटल होल सॉ, टॉर्क रिंच, स्टील फाइल्स, हैमर ड्रिल्स, प्लास्टिक टूल्स बॉक्स ऑगनाइजर सहित टीसीटी वुड कटिंग सर्कुलर ब्लेड्स, बिट डाईवर सेट व डायमंड ब्लेड्स के साथ अन्य वर्तमान उत्पादों की रेंज का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में आने वाले आगुंतकों की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही। उपयोगकताओं द्वारा बहुत सारी पूछताछ की गई। सभी उन्नत उत्पादों को अच्छी तरह से स्वीकार और सराहा गया। इस प्रदर्शनी में विभिन्न उद्योगों के वितरकों, आयातकों, निर्यातकों, औद्योगिक आपूर्तिकताओं ने भाग लिया। यह वास्तव में विभिन्न उद्योगों के हाथ उपकरण आवश्यकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए एक आदर्श मंच है। तापड़िया टूल्स का कहना है की अच्छी क्वालिटी और ग्राहक सेवा के बल पर ही बाजार में लंबे समय तक सफलता पायी जा सकती है।

जंगलों में हो रही सागवान की कटाई

टीकमगढ़। ओरछा के जंगलों में सागवान की अवैध तरीके से कटाई की खबर है। जिसे पकड़ने में वन विभाग कामयाब होता दिखाई नहीं दे रहा है। एक कार्यवाई के दौरान वन विभाग की टीम ने 50 हजार रुपए की सागौन लकड़ी को जब्त किया है। मगर सागौन काटने वाले आरोपी फरार हो गए है। उसके बाद भी अधिकारी वन अधिनियम के तहत कार्रवाई करके अपनी ही पीठ थपथपा रही है। जबकि समीपस्थ उत्तर प्रदेश के सीमा क्षेत्र में सागवान लकड़ी की तस्करी करने वाले गिरोह सक्रिय है जो लगातार मध्य प्रदेश के जंगलों से सागवान की लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं। लेकिन वन विभाग के अमले द्वारा उन तस्करों पर नकेल नहीं कस पा रहे हैं। कभी कभार वन विभाग एकाद सागवान लकड़ी की धर पकड़ कर अपनी ही पीठ थपथपा लेती है। जबकि ओरछा क्षेत्र के जंगलों में लगातार सागवान की लकड़ी की कटाई कर अवैध परिवहन का सिलसिला जारी है। मीडिया खबरों

के मुताबिक लकड़ी तस्करों से वन विभाग के अधिकारी की मिलीभगत होना प्रतीत होती है। क्योंकि ओरछा क्षेत्र का जंगल दिन प्रतिदिन अवैध कटाई भी जारी है। लेकिन विभाग द्वारा इन सागवान तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है। उत्तर प्रदेश की बॉर्डर पर बने एक गांव से वन विभाग ने करीब 50 हजार रुपए की सागवान की लकड़ी जब्त की। उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश की बॉर्डर पर सागवान के तस्कर लंबे समय से सक्रिय हैं।

प्लाईवुड व्यापार को मंदी से उभारने के लिए होगा मंथन

16 मई को प्लाईवुड कनक्लेव का आयोजन

यमुनानगर। प्लाईवुड इंडस्ट्री को बेहतर सुविधा, उत्पादन लागत कम करने और आने वाली दिक्कतों का ठोस समाधान निकालने के लिए 16 मई को सेक्टर-17 में प्लाईवुड कनक्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इस समरोह में मुख्यमंत्री मनोहर लाल, वन मंत्री कंवरपाल गुर्जर, विभाग के अधिकारी व एक्सपर्ट शामिल होंगे। कार्यक्रम में चर्चा के बाद जो सुझाव आएंगे उनको सरकार अमलीजामा पहनाएगी। व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रामनिवास गर्ग बोर्ड व्यापारियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं। बोर्ड व्यापारियों की इस संबंध में बैठकें चल रही है। इसमें भी विचार व दिक्कतों के हल के लिए सुझाव दिए जा रहे हैं। जिले में बोर्ड, चीपर व पीलिग सहित एक हजार यूनिटें हैं। इनका रजिस्ट्रेशन होगा। कार्यक्रम में आनलाइन भी शामिल होंगे

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अंकुर जैन का कहना है कि जिला प्लाइबोर्ड के कारोबार के नाम से ही प्रसिद्ध है। यहां से देश के विभिन्न राज्यों के अलावा 15 से ज्यादा देशों में तैयार माल भेजा जाता है। इस निर्यात को और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है। यह इंडस्ट्री डिमांड व सप्लाई पर निर्भर है। जब भी डिमांड व सप्लाई में अंतर आता है तो इस कारोबार में दिक्कत शुरू हो जाती है। जिन देशों में प्लाइ बोर्ड निर्यात होता है। वहां के प्रतिनिधि भी आनलाइन इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे। राज्य असम व अन्य राज्यों के वन मंत्री भी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इनसे भी विचार लिए जाएंगे।

बोर्ड व्यापारी कई तरह की समस्याओं से परेशान हैं। बोर्ड को तैयार करने के लिए ग्लू में प्रयोग होने वाले कामर्शियल यूरिया का प्रति बैग के दाम चार हजार से अधिक है। इसके प्रयोग से उत्पादन लागत बढ़ जाती है। जिस कारण यहां का व्यापारी बाजार के कंपीटिशन में पिछड़ जाता है। व्यापारियों की मांग है कि इंडस्ट्री को बचाने के लिए सरकार को मदद करनी होगी। जिस तरह से किसानों को छूट का यूरिया उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसी तरह से इंडस्ट्री को भी राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। ब्याज दर कम और आसानी से लोन उपलब्ध हो। कारोबार शुरू करने वाले युवा वर्ग के लिए विशेष योजना शुरू की जाए ताकि इस रोजगार में ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ सकें। बिजली के दाम कम किए जाए। दो प्रतिशत लक्कड़ मंडी फीस में राहत दी जाए। तैयार बोर्ड पर उत्पादन खर्च अधिक आ रहा है। इसको कम करने के लिए कदम उठा जाए। क्योंकि लाइसेंस खोलने के लिए दूसरे राज्यों में भी बोर्ड यूनिट स्थापित हो गई। जिससे बाजार में कंपीटिशन बढ़ गया है। इस इंडस्ट्री के लिए हर वर्ष राहत पैकेज दिया जाए। इंस्पेक्टर राज से भी व्यापारी वर्ग बहुत ज्यादा परेशान हैं। इसका भी हल निकाला जाए।

व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रामनिवास गर्ग का कहना है कि कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। निश्चित तौर पर यह कार्यक्रम बोर्ड इंडस्ट्री के लिए वरदान साबित होगा। पहली बार सरकार ने बोर्ड इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए इस तरह का कार्यक्रम किया है। भाजपा सरकार सभी वर्गो को के बारे में सोचती है।

कारपेन्टर/कोन्ट्राक्टर भाइयों के लिये टोकन / कटर मशीन / ड्रील मशीन ऑफर

EURO 7000
SYNTHETIC WOOD ADHESIVE

अब
800 Gm
पाउच में उपलब्ध

ड्रम पैक साइज
800 Gm X 70 Pouches

ड्रम पैक	ऑफर
यूरो एडहेसिव WP 2IN1 के एक ड्रम पर पाइये स्पेशल ऑफर 800 Gm X 70 Nos	15 Rs. टोकन / पाउच अथवा कटर मशीन अथवा ड्रील मशीन

15 Rs/- टोकन / पाउच

अथवा

Planet Power®
Global Expertise. Local Care

CUTTER

EC 4 Premium

Rated Input Power: 1200W
Rated Voltage: 220V~/240~
Rated Frequency: 50 Hz
Capacity: 110 mm
No-load Speed: 12,000 rpm
Net Weight: 2.8 kg
MRP: Rs. 3,257/-

अथवा

Planet Power®
Global Expertise. Local Care

IMPACT DRILL

New Hammer Drill 13 mm

EID 13 Premium

Rated Input Power: 750W
Rated Voltage: 220V~/240~
Rated Frequency: 50 Hz
Capacity: 13 mm
No-load Speed: 1,800 rpm
Net Weight: 2.1 kg
MRP: Rs. Rs. 3,657/-

चार भुजाओं वाली चौखट के मुख्य द्वार से आती है समृद्धि

वास्तु शास्त्र में जीवन की कमोबेश हर समस्या को दूर करने के उपाय बताए गए हैं। इसमें नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के उपाय भी शामिल हैं। यदि जीवन में आर्थिक दिक्कतें चल रही हों, ऑफिस से घर आने के बाद मूड खराब हो जाता है तो इस बात की आशंका बढ़ जाती है कि घर में सकारात्मक ऊर्जा की कमी हो। कई बार आर्थिक तंगी के कारण भी चित्त खराब रहता है। घर में सुख-समृद्धि, सुकून में वृद्धि के लिए वास्तु कुछ उपाय बताये गए हैं।

● मुख्य द्वार हमेशा चार भुजाओं की चौखट वाला हो। इसे दहलीज भी कहते हैं। इससे नकारात्मक ऊजाएं घर में प्रवेश नहीं कर पाती।

● प्रातः घर का जो भी व्यक्ति मुख्य द्वार खोले, उसे सर्वप्रथम दहलीज पर जल छिड़कना चाहिए, ताकि रात में वहां एकत्रित दूषित ऊजाएं घुलकर बह जाएं और गृह में प्रवेश न कर पाएं.

● गृहणी प्रातः सर्वप्रथम घर की साफ-सफाई करे या कराए। घर के मुख्य द्वार के पास अंदर की तरफ रंगोली बनानी चाहिए या फिर रंगोली वाले टाइल्स लगा सकते हैं। इससे भी नकारात्मक ऊजाएं घर में नहीं आती हैं। मुख्य द्वार के ऊपर केसरिया रंग से 9 इंच परिमाण का स्वास्तिक बनाकर लगाएं.

● मुख्य द्वार पर तोरण लगाने चाहिए। आम के पत्तों के तोरण अति शुभ होते हैं।

● खाना बनाना शुरू करने से पहले रसोई को जरुर साफ कर लें, रसोईये को चाहिए कि मंत्र-पाठ से ईश्वर को याद करें और कहे कि मेरे हाथ से बना खाना स्वादिष्ट तथा सभी के लिए स्वास्थ्यवर्धक हो।

● पहली रोटी गाय, आखिरी रोटी कुत्ते व पक्षियों के लिए निकाल दें। उसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों को भोजन परोसें।

● निवास गृह या कार्यालय में शुद्ध ऊर्जा के संचार हेतु प्रातः व सायं शंख ध्वनि करें।

● रोजाना घर में गुग्गुल युक्त धूपबत्ती प्रज्वलित करें तथा ऊं का उच्चारण करते हुए समस्त गृह में धूम्र को घुमाएं।

● प्रातः काल सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्य नमस्कार अवश्य करें।

● यदि परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, तो गृह का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। ध्यान रखें, आईने व झरोखों के शीशों पर धूल नहीं रहे। उन्हें प्रतिदिन साफ रखें। इससे परिवार में समृद्धि की वृद्धि होती है।

मोटी हो गई आमों की मलिका 'नूरजहां'

अलीराजपुर। अपने भारी-भरकम फलों के चलते 'आमों की मलिका' के रूप में मशहूर 'नूरजहां' किस्म के स्वाद के शौकीनों के लिए अच्छी खबर है। सब कुछ ठीक रहा तो इस बार इसके केवल एक फल का अधिकतम वजन चार किलोग्राम से ज्यादा रह सकता है।

मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा क्षेत्र में पाए जाने वाले आम की प्रजाति नूरजहां के गिने-चुने पेड़ हैं। अफगानिस्तानी मूल की मानी जाने वाली नूरजहां आम के शौकीन फलों की अग्रिम बुकिंग के लिए आम उत्पादकों से अभी से फोन पर पूछताछ कर रहे हैं, जबकि इन्हें पककर बिक्री के लिए तैयार होने में कोई डेढ़ महीना बाकी है। आम उत्पादक शिवराज सिंह जाधव का कहना है कि इस बार मेरे बाग में नूरजहां आम के तीन पेड़ों पर कुल 250 फल लगे हैं। ये फल 15 जून तक पककर बिक्री के लिए तैयार होंगे और इसके एक फल का अधिकतम वजन चार किलोग्राम के पार जा सकता है। उन्होंने हालांकि बताया कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण इस बार नूरजहां के कई बौर पेड़ पर नहीं टिक पाए और फल में तब्दील होने से पहले ही नीचे टपक गए। आम उत्पादक ने बताया कि पिछले साल नूरजहां के

एक फल का वजन औसतन 3.80 किलोग्राम था। इस बार नूरजहां का एक आम 1,000 रुपये से 2,000 रुपये के बीच बेचने पर विचार कर रहे हैं, जबकि पिछले साल इसके एक फल का भाव 500 रुपये से 1,500 रुपये के बीच रहा था। नूरजहां आम के पेड़ों पर आमतौर पर जनवरी-फरवरी से बौर आने शुरू होते हैं और इसके फल जून के पहले पखवाड़े तक पककर बिक्री के लिए तैयार हो जाते हैं।

नींबू पानी पीकर रहें हमेशा फ्रेश

निम्बू पानी बेहद स्वादिष्ट होने के साथ साथ एक रिफ्रेशिंग ड्रिंक है जो की आपके मूड को फ्रेश कर देती है। यही नहीं बल्कि ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। इसमें भरपूर मात्रा में मिनरल्स, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम और जिंक मौजूद होते है जिससे इसके सेवन से हमारा शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है। अगर हमेशा बीमारियों से बचे रहना चाहते हैं तो नियमित रूप से सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ निम्बू और शहद मिलाकर पिए। सुबह खाली पेट निम्बू पानी का सेवन करने से शरीर के अंदर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते है तो आपकी बॉडी डिटॉक्स होती है।

अगर नियमित रूप से सुबह खाली पेट 1 गिलास नींबू पानी का सेवन करते है तो इससे दिमाग हमेशा फ्रेश रहता है और शरीर में पानी की कमी नहीं होती है।

स्वास्थ्य

कुलथी दाल : डायबिटीज को कंट्रोल करने में मददगार

कुलथी दाल में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। मधुमेह के मरीजों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है। कई शोधों में यह साबित हो चुका है कि कुलथी दाल शुगर कंट्रोल करने में मददगार साबित होती है। मधुमेह के मरीज को अगर शुगर कंट्रोल करना हो तो इसे अपने कीचन के साथ डाइट में भी शामिल कर लें।

पथरी – कुलथी दाल को पथरी होने पर सेवन किया जा सकता है। दरअसल कुलथी दाल में एंटीऑक्सीडेंट और शरीर से गंदगी बाहर निकालने वाले गुण पाए जाते हैं, जो किडनी से पथरी को बाहर निकालने में भी मदद करता है।

डायबिटीज – कुलथी में 24 फीसदी प्रोटीन होता है। यही नहीं कुलथी में पाई जाने वाली नॉन डायजिस्टिबल काबोर्हाइड्रेट पाया जाता है, जिसके कारण ब्लड में शुगर की कम मात्रा रिलीज होती है। यही कारण है डॉक्टर भी इस दाल के सेवन के लिए अक्सर कहते हैं।

वजन – जो लोग अपना वजन घटाना चाहते हैं उनके लिए कुलथी दाल काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। यह दाल फाइबर तत्वों से समृद्ध होती है, जो बॉडी के वजन को कंट्रोल करने में मदद करती है।

स्वास्थ्यवर्धक है सहजन

सहजन को मुनगा के नाम से भी जाना जाता है। यह हमारे शरीर के लिए बहुत ही ज्यादा लाभदायक होता है। इसकी फलियों की सब्जी सभी जगहों बनाई जाती है। आयुर्विज्ञान में इसका बहुत ज्यादा महत्व है। सहजन को उगाने के लिए बहुत ही कम पानी की जरूरत होती है। सहजन खाने से कई फायदे होते हैं। सहजन दिल की बीमारी में भी ये बहुत फायदेमंद होता है। कोलेस्ट्रॉल भी कम करता है। इस तरह सहजन सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। सहजन में हाई ब्लड शुगर प्रेशर लेवल को कम करने की क्षमता होती है। गौरतलब है कि शुगर लेवल कम होने से हृदय को बहुत फायदा होता है। हालांकि इसका उपयोग करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए। पेट दर्द या पेट से जुड़ी गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याओं में सहजन के फूलों का रस पीएं या इसकी सब्जी खाएं। जिनकी रोशनी कम हो रही हो तो सहजन की फली, इसकी पत्तियां और फूल का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए।

जायका इंडिया का

कढ़ाई पनीर

पनीर एक ऐसी रेसिपी है जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक सभी खाना पसंद करते हैं। होटलों में कड़ाही पनीर की सबसे अधिक मांग होती है। क्योंकि ज्यादातर लोगों का मानना है कि उनके घर के बने कढ़ाई पनीर में रेस्तरां जैसा स्वाद नहीं होता है। इस विधि से घर पर ही रेस्टोरेंट जैसा टेस्टी कढ़ाई पनीर बनाया जा सकता है।

सामग्री - पनीर 400 ग्राम, शिमला मिर्च 2 (चौकोर में कटा हुआ), टमाटर 4 (चौकोर कटे हुए), प्याज 2 (चौकोर में कटा हुआ), हरी मिर्च 3, काजू आधा कटोरी, हल्दी 1/3 चम्मच, हींग 1 चुटकी, जीरा 1/2 छोटा चम्मच, नमक स्वाद अनुसार, गरम मसाला 1/4 छोटा चम्मच, कसूरी मेथी 1 छोटा चम्मच, अदरक-लहसुन का पेस्ट 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर 1 छोटा चम्मच, हरा धनिया 3 छोटी चम्मच (बारीक कटा हुआ), तेल जरुरत अनुसार, लाल मिर्च पाउडर 1/4 छोटा चम्मच, पनीर मसाला 1 छोटा चम्मच

विधि - कड़ाही पनीर बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को बड़े आकार में काट लें।

इसके बाद शिमला मिर्च, प्याज भी काट लें। एक पैन लें और उसमें एक कप पानी डालें और टमाटर को उबाल लें। 4 से 5 मिनट तक उबालें और छिलका हटा दें।

इसके बाद एक पैन में तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें जीरा डालें, फिर इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट डालें। इसके बाद धीमी आंच पर पकाएं। एक मिनट तक भूनने के बाद टमाटर डालें और 1 मिनट तक पकाएं। फिर लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, नमक डालकर पकाएं। इसे 3 से 4 मिनट के लिए ढककर पकाएं।

इसके बाद शिमला मिर्च डालकर 2 मिनट तक पकाएं। अब इसमें काजू का पेस्ट डाल दें। फिर इसे दो मिनट तक पकाएं और फिर इसमें हरा धनिया, गरम मसाला, पनीर मसाला डाल दें। इसके बाद इसे तेल छोड़ने तक पकाएं और फिर इसमें पानी डाल दें। अंत में इसमें पनीर के टुकड़े डाल दें। इसके बाद 2 मिनट और पकाएं।

इसके बाद टेस्टी पनीर बनकर तैयार हो जाएगा। इसे जीरा राइस या तंदूरी रोटी के साथ खाया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक-गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा द्वारा 306, दिघे नगर को आप हाउसिंग सोसायटी, फितवाला रोड, एलफिन्स्टन (वेस्ट), मुंबई-40013 से प्रकाशित एवं एस आर पब्लिकेशन, मोहन अर्जुन कम्पाउंड, गाला नम्बर-8, 9, 10, घर्टनपाढा, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, नियर भारत गैस गोडाउन, दहिसर (ईस्ट), मुंबई- 400068 से मुद्रित। संपादक - गंगाराम श्रीराम विश्वकर्मा* RNI NO. MAHHIN/2005/16460 मो. 09320566633. (सभी विवादों का निपटारा न्यायक्षेत्र केवल मुंबई न्यायालय के अधीन होगा. *पी. आर. बी. अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

एयरपोर्ट पर उर्फी जावेद का नया अंदाज

बिग बॉस ओटीटी से लोकप्रियता बटोरने वाली उर्फी जावेद अक्सर अपनी ड्रेसिंग सेंस की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। दूसरी ओर उनका बेबाक अंदाज और केयर फ्री नेचर भी कई लोगों को काफी पसंद आता है। अब तक उर्फी जावेद के जितनी भी तस्वीरें और वीडियो आए हैं, वह ज्यादातर मुंबई एयरपोर्ट के ही हैं। लोग उनका मजाक उड़ाते हुए यह भी कह देते हैं कि

आखिर वह एयरपोर्ट क्यों जाती हैं? एयरपोर्ट से ही उर्फी जावेद का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद आप अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। दरअसल इस वीडियो में उर्फी जावेद सेल्फी के लिए चार्ज की बात कर रही हैं। मुंबई एयरपोर्ट पर उर्फी जावेद मस्ती भरे अंदाज में एंट्री मारती हैं और पैपराजी को जमकर पोज देती हैं। इसी बीच जब एक फैन उनसे सेल्फी लेने के लिए गुजारिश करता है तो वह हमेशा की तरह हंसी-खुशी सेल्फी क्लिक करवा लेती हैं। इसके बाद मस्ती भरे अंदाज में उर्फी कह रही हैं कि मैं पहली सेल्फी फ्री में देती हूं, दूसरी के लिए पैसे चार्ज करती हूं। सामने आए इस वीडियो में उर्फी जावेद नीले रंग की ड्रेस में नजर आ रही हैं। सेम लुक में ही उर्फी का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पैपराजी के सामने अपनी नई गाड़ी का जिक्र कर रही हैं। वीडियो में कुछ फोटोग्राफर उर्फी से कह रहे हैं कि वह खुद गाड़ी क्यों नहीं चलाती हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए उर्फी कहती हैं कि अगर मैंने गाड़ी खुद चलाई तो किसी ना किसी को ठोकर मार दूंगी।

खतरों की खिलाड़ी बनेंगी शिवांगी जोशी

रोहित शेट्टी का स्टंट बेस्ड रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 12वें सीजन का आगाज जल्द ही होने वाला है। शो के मेकर्स कमर कसकर इसकी तैयारी भी शुरू कर चुके हैं। बीते दिनों इस शो से टीवी के कई बड़े कलाकारों का नाम जुड़ा है। माना जा रहा है कि रोहित शेट्टी खतरों के खिलाड़ी 12 को एक बड़े स्तर पर लॉन्च करने वाले हैं। अभी भी लगातार इस शो से कई कलाकारों के नाम जुड़ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम शिवांगी जोशी के नाम को इस शो के लिए फाइनल कर लिया गया है। शिवांगी जोशी इस शो की शूटिंग शुरू करने के लिए बेताब सी हैं।

बता दें कि इस बार खतरों के खिलाड़ी 12 की शूटिंग केप टाउन में होने वाली है। सभी कंटेस्टेंट्स इस महीने की आखिर में केपटाउन के लिए रवाना होंगे। बीते दिनों ही खतरों के खिलाड़ी 12 के लिए सृति झा, मुनव्वर फारूकी, रुबीना दिलैक और बिग बॉस फेम राजीव अदातिया का नाम फाइनल हुआ है और अब इस लिस्ट में शिवांगी जोशी का भी नाम जुड़ चुका है।

शिवांगी जोशी ने अभी तक डेली सोप्स में ही हिस्सा लिया है। उन्हें ये रिश्ता क्या कहलाता है, बेगूसराय और बालिका वधू 2 में लीड रोल निभाते हुए देखा जा चुका है। अभी तक शिवांगी जोशी किसी भी रिएलिटी शो का हिस्सा नहीं रही हैं। ऐसे में वह खतरों के खिलाड़ी 12 की शूटिंग के लिए काफी उत्सुक हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि खतरों के खिलाड़ी मेरा पहला रिएलिटी शो है। मैं इसकी शूटिंग शुरू करने के लिए एक्साइटेड हूं। इस शो में अपने डर को दूर कर पाऊंगी और इसके जरिए मैं अपनी क्षमताओं को भी अच्छे से परख सकती हूं। रोहित शेट्टी से मिलने का इंतजार कर रही हूं। मुझे पूरा यकीन है कि वह मेरी जिंदगी में काफी प्रेरणा लाएंगे।

शहनाज के पीछे हाथ धोकर पड़े ट्रोल्स

शहनाज गिल हमेशा अपनी क्यूट स्माइल और चुलबुले अंदाज से लोगों के दिल में खास जगह बना लेती है। यही वजह है कि उनको चाहने वाले लोग हमेशा उन्हें प्रोटेक्ट करते हुए नजर आते हैं। फैमिली फ्रेंड्स हो या फिर फैन्स ,शहनाज गिल को हमेशा से ही लोगों से सपोर्ट और प्यार मिलता आया है। अभी हाल ही में उनका एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह सलमान खान को गले लगाती हुई नजर आई थी। इस वीडियो को देखने के बाद उनके फैन्स खुशी से झूम उठे थे और दोनों की बॉन्डिंग को देखकर हर किसी के चेहरे पर स्माइल आ गई।

इस बीच ट्रोल्स ने शहनाज गिल को भला-बुरा कहना शुरू कर दिया। ऐसे में अब फैन्स शहनाज गिल के बचाव में उतर आए हैं। फैन्स शहनाज गिल के बारे में एक भी बात गलत सुनने के लिए राजी नहीं है। एक यूजर ने ट्वीट किया कि सलमान शहनाज को अपनी बहन की तरह मानते हैं और लोग अपनी घटिया सोच के बगैर आगे नहीं बढ़ सकते हैं।

मौनी रॉय के कातिलाना अंदाज से घायल हुए फैंस

सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू से अपने करियर की शुरूआत करने वाली मौनी रॉय इन दिनों टेलीविजन से लेकर बॉलीवुड तक अपने अभिनय का लोहा मनवा रही है। नागिन एक्ट्रेस मौनी रॉय सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं और वह अक्सर अपने कातिलाना लुक से फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर फोटोज की एक पूरी सीरिज शेयर की, जिसे देखने के बाद फैंस भी उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पर एक के बाद एक दिलकश तस्वीरें शेयर की। पहली तस्वीर में जहां मौनी आंखों पर चश्मा लगाए और लैपटॉप पर काम करते हुए काफी मासूम लगीं तो वही दूसरी तस्वीर में मौनी रॉय बिकिनी पहने हुए समुद्र किनारे सूरज के सामने आंखें बंद कर बैठी हुईं नजर आईं। मौनी रॉय की यह तस्वीर बेहद बोल्ड है। इसके बाद मौनी रॉय ने ब्लैक रंग के क्रॉप टॉप और ट्राउजर में कैमरे को एकटक निहारते हुए नजर आ रही हैं। इसके अलावा मौनी ने शॉर्ट ड्रेस में, नागिन लुक में लहंगे और साड़ी में कई अलग-अलग तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें मौनी रॉय का बेब से लेकर देसी अंदाज तक लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

मौनी रॉय की ये तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही हैं। कुछ समय पहले मौनी रॉय द्वारा पोस्ट की गई इन तस्वीरों को अब तक 3 लाख 56 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं और कमेंट बॉक्स में फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने मौनी रॉय की तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा, 'हॉट पिक्चर्स मौनी रॉय'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'मौनी तू हॉट लगदी'। अन्य यूजर ने लिखा, 'नागिन है सबको काट लेगी'। फैंस मौनी रॉय की खूबसूरती से नजर हटा नहीं पा रहे हैं।

नागिन बनकर सबके दिलों पर राज करने वालीं मौनी रॉय ने टीवी के साथ-साथ बॉलीवुड में भी अपनी एक अलग और खास जगह बनाई है। टीवी में एक बड़ा नाम कमा चुकीं मौनी रॉय अक्षय कुमार से लेकर राजकुमार राव और केजीएफ एक्टर यश के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर चुकी हैं। मौनी रॉय अब जल्द ही आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्रह्मास्त्र में अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में वह नेगेटिव भूमिका में दिखाई देंगी।

मृणाल ने कॉफी हाउस के स्टाफ को दिखाई जर्सी

मृणाल ठाकुर की कुछ दिनों पहले फिल्म जर्सी रिलीज हुई थी। फिल्म में मृणाल के साथ शाहिद कपूर लीड रोल में थे। फिल्म में शाहिद ने क्रिकेटर और मृणाल ने उनकी पत्नी का किरदार निभाया है। फिल्म को लेकर दोनों स्टार्स काफी एक्साइटेड थे, लेकिन फिल्म उतना कमाल दिखा नहीं पाई जितना उससे उम्मीद थी। अब फिल्म रिलीज होने के बाद मृणाल ने मुंबई के एक कॉफी हाउस के पूरे स्टाफ को अपनी और शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी दिखाई है। मृणाल ने ये सब इसलिए किया क्योंकि वह वहां के स्टाफ के काम और उनके व्यवहार से काफी खुश हुईं।

मृणाल ने इस बारे में कहा, 'कॉफी हाउस के स्टाफ के लोग काफी स्वीट और अच्छे थे इसलिए मैंने सोचा कि मैं उन्हें अपनी फिल्म जर्सी दिखाऊं, जब भी उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से समय मिले। मुझे लगा कि जो उनका नेक दिल है और अच्छे व्यवहार के चलते मैं उन्हें एक रिटर्न गिफ्ट को दे सकती हूं।' मृणाल ने कहा कि वहां के हर एक शख्स ने मुझे फिल्म जर्सी के लिए बधाई दी। उन्होंने ये भी बताया कि कैसे उन्हें मेरी पहली की फिल्म भी पसंद आई हैं। मेरा दिल भर गया था और इसने मेरा दिन बना दिया था। बता दें कि मृणाल ने हाल ही में जर्सी को अच्छा रिस्पॉन्स ना मिलने पर कहा था, फिल्म को ज्यादा अच्छा ना रिस्पॉन्स मिलने की वजह एक ये है कि जर्सी की ओरिजनल कॉपी यूट्यूब पर फ्री में मौजूद है। फिल्म को ऐसा रिस्पॉन्स मिलना वैसे निराशजनक है। मृणाल फिल्मों में आने से पहले वह टीवी में काम कर चुकी हैं। उन्होंने साल 2012 में मुझसे कुछ कहती हैं ये खामोशियां से टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कुमकुम भाग्य, नच बलिए 7 जैसे शोज में नजर आई हैं।

OZONE
FOR A SAFER WORLD
किचन और फर्निचर फिटिंग्स
22 साल से
हर स्मार्ट कारपेंटर
का भरोसा
कटलरी ऑर्गनाइज़र
एर्गोटेक स्लिम ड्रॉवर सिस्टम
मैजिक कॉर्नर यूनिट
हैवी ड्यूटी बाई-फोल्ड
लिफ्ट-अप सिस्टम
किचन फिटिंग्स की
जानकारी के लिए,
संपर्क करें:
09310012300